PAPER-II
KONKANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

J	8	5	1	6

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

KONKANI
कोंकणी
Paper – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक है । **सभी** प्रश्न अनिवार्य है ।

सुचोवणी : ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट **पन्नास (50)** भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात. दर प्रस्नाक **दोन (2)** गुण दवरल्यात. सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिवंच्यो.

1. सकयले कथांझेले आनी तांच्यो प्रकाशन संस्था हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

a.	कांदळां	i.	मंगल प्रकाशन
b.	पलतडचें तारुं	ii.	जाग प्रकाशन
c.	खांवटें	iii.	कुळागर प्रकाशन
d.	परीघ	iv.	अस्मिताय प्रतिश्ठान
		v.	दत्तपद्मजा प्रकाशन

	a	b	c	d
(1)	iv	ii	iii	i
(2)	v	iii	i	iv
(3)	v	iv	i	ii
(4)	iii	iv	v	i

2. ‘काव्यप्रकाश’ हो ग्रंथ म्हळ्यार साहित्याचे भासाभाशेचो उत्कर्शबिंदू; देखून ताच्या कत्यकि मम्मटाचायकि _____ अशें पाचारुंक लागले.

(1) वागदेवतावतार
(2) काव्यशिरोमणी
(3) गुरुनां गुरुः
(4) काव्यप्रकाशाचार्य

3. ज्या वाक्यातले क्रियापद कर्त्याच्या लिंग, वचन आनी पुरुश हांच्याप्रमाण बदलता त्या प्रयोगाक ______

(1) संकीर्ण प्रयोग म्हणटात.
(2) भावे प्रयोग म्हणटात.
(3) कर्मणी प्रयोग म्हणटात.
(4) कर्तरी प्रयोग म्हणटात.

4. (अ) पयलीं मुख्य भास तयार जाता आनी उप्रांत बोलभास जाता.

(ब) प्रमाण भाशेचें अपभ्रश्ट रूप म्हळ्यार पोटभास.

(1) (अ) आनी (ब) दोनूय विधानां बरोबर आसात.

(2) (अ) बरोबर आनी (ब) चूक आसा.

(3) (अ) आनी (ब) दोनूय विधानां चूक आसात.

(4) (अ) विधान चूक आनी (ब) बरोबर आसा.

5. कवी आनी कवितेच्यो वळी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

a.	चा.फ्रा.दि. कोश्ता	i.	हाडां मांसाची कूड ही जातली पूड हारश्या रसायणाची.
b.	मनोहर सरदेसाय	ii.	अशें तें कशें लागच्यादी पिशें समजूंक आशेल्ले.
c.	प्रकाश पाडगांवकर	iii.	दूदसागर गेलो सुकून/चित्रवीणा हुंडकेता.
d.	सुदेश लोटलेकार	iv.	पृथ्वी पोटांत घुवता असो चित्ताक अजापी भास.
		v.	सगलेंच आसा/हाताभायलें दुसऱ्याचे इच्छेन/आमी आयले.

	a	b	c	d
(1)	iii	ii	i	v
(2)	ii	iii	i	iv
(3)	ii	iii	i	v
(4)	iv	iii	i	v

6. "भाशिक अंतराचें व्हड आडमेळें आसूनय लेखकान देवनागरींत केल्लो हो प्रयोग तुस्तीलायक आसा. एक साहित्यिक पावल म्हूण आनी एक उठावदार कलाकृती म्हूणय हे नवलिकेची खास दखल घेंवचीच पडटली" अशें खंयच्या आनी कोणाच्या साहिकृतीविशीं म्हटलां ?

(1) 'चन्ना' – ए.टी. लोबो

(2) पृथिवै नमः – गोकुळदास प्रभु

(3) देवाचे कुर्पेन – व्ही.जे.पी. साल्दान्य

(4) मोग आनी भरवोसो – आयरीन पिन्टो

7. _______ हांच्या मतान चलचित्रांच्या भौपरिणामकारक भौताशी अशा विदारक तशेंच स्पश्ट वास्तव दर्शनाक लागून घटितात्मक – वास्तवनिश्ठ – कांदबरीक लागीं लागीं मातयेक लायल्या.

(1) डॅव्हीड लाङ्ज्य (2) डब्ल्यू.जे. बीच

(3) रॉबर्ट स्कोल्स (4) हॅरी लॅव्हिन

8. बौध्दांच्या महायानसूत्र ग्रंथांतलो ______ हो सगळ्यांत श्रेश्ठ ग्रंथ मानतात.

(1) ललितविस्तर
(2) सध्दर्मपुंडरीक
(3) लंकावतार
(4) गंडव्यूह

9. भारतीय पुराण ग्रंथांत पृथ्वीचेर कितली 'द्वीपां' आनी 'भुवनां' आसात अशें म्हटलां ?

(1) सप्तद्वीप, अठरा भुवनां
(2) पंचद्वीप, सतरा भुवनां
(3) त्रिद्वीप, पांच भुवनां
(4) अश्टद्वीप, चवदा भुवनां

10. फावो तो पर्याय वेंचून काडून वाक्य पूर्ण करात ______ पिज्जीन भास क्रियोल जाता तेन्ना

(1) समाजांत ती मान्यतायेक पावता.
(2) ती खऱ्या अर्थान पूर्णत्वाक पाविल्ली भास जाता.
(3) खऱ्या अर्थान ती संपर्क-भास जाता.
(4) उतरावळीचे आनी व्याकरणाचे नदरेन तिचो विस्तार जाता.

11. 'कणस' ह्या उतराचे पांचवे विभक्तीचें रूप खंयचें ?

(1) कणसाक
(2) कणसान
(3) कणसापसून
(4) कणसांत

12. 'उजवाडाच्या कोठ्येकुडींत' हे आपजीणेचो बरोवपी हांतलो कोण ?

(1) नागेश करमली
(2) शान्ताराम आमोणकार
(3) ना.भा. नायक
(4) वसन्त वैकुण्ठ कारे

13. हांतलें खंयचें वाक्य आज्ञार्थी वाक्य आसा ?

(1) चला ! आमीं नाचुंया, खेळुंया !
(2) आरे रे ! किते जाले न्ही ?
(3) मागीर तें मंगल खंय वता तर !
(4) उप्रांत राकेशान नीतूक घरा व्हेलें.

14. नाट्यांत 'आहार्याभिनय' योग्य तरेन सार्दूक जाय. 'आहार्याभिनय' म्हणजे _______

(1) माचयेवेलें नेपथ्य.
(2) आहार आनी अभिनय.
(3) निखटो अभिनय.
(4) भावाभिव्यक्ति

15. शणै गोंयबाबानी नेमाच्या रुपांत कांय नव्यो कुरवो आपणायल्यो. तांतली एक कुरु (1) ही. अक्षराच्या माथ्यार दिल्ली; ती कसलो उच्चार दाखोवपाक तांणी उपकारायल्ली ?

(1) अ चो मोटवो उच्चार दाखोवपाक.
(2) अ चो लांबोडो उच्चार दाखोवपाक
(3) अ चो उकतो उच्चार दाखोवपाक.
(4) अ चो श्वांपतो उच्चार दाखोवपाक.

16. भाषाभ्यासात खंयचे भेद सोस्यूशन केल्यात ?

(1) नीज भास आनी भौशिक भास.
(2) भाशिक वेवस्था आनी भाषिक वर्तन.
(3) भाशेचें व्याकरण आनी अंतर्गत संरचना.
(4) विज्ञानाधिश्ठित भूमीका आनी समाजाधिश्ठित भूमीका.

17. कादंबरीतलीं अस्तुरी आनी कादंबरी हांच्यो योग्य जोड्यो खंयच्यो ?

a.	गेगे	i.	शक्तीपात
b.	स्मिता	ii.	मुक्ती
c.	पार्वती	iii.	घणाघाय नियतीचे
d.	जयंती	iv.	युगसांवार
		v.	निर्बळा

	a	b	c	d
(1)	ii	i	iii	v
(2)	iii	i	iv	ii
(3)	ii	iii	iv	v
(4)	i	ii	iv	v

18. ज्या समासिक उतराचें पयलें पद संख्याविशेशण आसता तो समास ______ आसता.

(1) मध्यमपदलोपी समास
(2) बहुव्रिही समास
(3) द्वंद्व समास
(4) द्विगु समास

19. भारतीय स्वतंत्रतायेच्या भांगरा दबाज्यानिमतान शिक्षण संचलनालय गोंय, हांणी 1997-98 वर्सा हांतलें खंयचें पुस्तक उजवाडावन हाडलें ?

(1) भुरग्यांखातीर एकभाशीक कोश
(2) सुविचार आनी सुवचनां
(3) कोंकणी व्याकरण
(4) भुरग्यांखातीर गोंयचो इतिहास

20. ही उतरां कोणे आनी कोणाविशीं म्हटल्यात ?

'मात लेगीत अनमन नासतना तूं बरयता तें

छापूंक दी. तूं एक व्हड बरपी जातलो'

(1) मनोहरराय सरदेसाय – माधव बोरकाराविशीं

(2) रवींद्र केळेकार – पुंडलीक नायक

(3) लक्ष्मणराव सरदेसाय – पुंडलीक नायकाविशीं

(4) चंद्रकान्त केणी – माधव बोरकाराविशीं

21. कथानकाबगर कथा फुलोवपाचें तंत्र खंयच्या कथाकाराक बेस बरें जमता ?

(1) एन्. शिवदास
(2) अ.ना. म्हांबरो
(3) शीला नायक
(4) मीना काकोडकार

22. "______ जी भास वेगवेगळे विशय, तरांतरांचे मुद्दे, सूक्ष्म फरकाचे विचार आनी भावना समर्थपणी थोडक्यांत आनी बिनचूक प्रगट करुंक शकता, तीच भास विकसिल्ली भास म्हणूं येता." विकसित भाशेविशीं अशे विचार कोणे उग्तायल्यात ?

(1) डॉ. मैथ्यू आल्मैदा
(2) प्रो. से.मा. बॉर्जिस
(3) माधवी सरदेसाय
(4) सु.म. तडकोडकार

23. 'करोवप' ह्या उतराचो अर्थ ____

(1) करुन घेवप.

(2) कऱ्याक (कर्याक) रंगोवन घेवप.

(3) व्हड झाडाच्यो खांद्यो कापून लाकडां करप.

(4) बैलाच्या शिंगाक दोरी घालप.

24. सकयलें वाक्य कोणे कोणाक आनी खंयच्या नाटकांत म्हटलां ?

"आं ! तूं वळखता ? खेतलो ताचें नांव ?

जायत हां जायत ! पळयल्यार तसो दिसता खरो !"

(1) म्हाळूदाद माधवाक 'निमित्ताक कारण' हांतूत म्हणटा.

(2) गुळू शिल्ल्याक 'म्हाजो सर्गार आसल्लो घरकार' हांतूत म्हणटा.

(3) मोगा बाबग्याक 'मोगाचें लग्न' हांतूत म्हणटा.

(4) दादा वयनीक 'गजालीचें नाटक' हांतूत म्हणटा.

25. 'मीता आनी जादूचे मोचे' हे साहित्यकृतीचो रचनाकार कोण ?

(1) शीला नायक (2) नयना आडारकार

(3) सुधा आमोणकार (4) हेमा नायक

26. जुगुप्सा ह्या स्थायी भावाचो रस हांतलो खंयचो ?

(1) वीर (2) बीभत्स

(3) क्रोध (4) शृंगार

27. रचनाकार आनी तांणी बरयल्ले भारतीय काव्यशास्त्रावेले ग्रंथ हांच्यो योग्य जोड्यो लायात.

I.	काव्यादर्श	V.	महिमभट्ट
II.	काव्यालंकार सूत्रवृत्ती	VI.	वामन
III.	काव्यालंकार	VII.	राजशेखर
IV.	व्यक्तिविवेक	VIII.	भामह
		IX.	दण्डी

	I	II	III	IV
(1)	VII	VI	IX	VIII
(2)	VI	VIII	VII	V
(3)	IX	VI	VIII	V
(4)	V	IX	VIII	VII

28. रचनाकार, रचना आनी रचनाप्रकार हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

I.	सुमेधा कामत	V.	एक सपन अदुरें	XI.	कविता झेलो
II.	दीपा मुरकुंडे	VI.	विवेकानन्दपुरमांत	XII.	कथा झेलो
III.	जे.बी. सिक्वेरा	VII.	उमजणी	XIII.	एकांकी झेलो
IV.	प्रसाद लोटलीकर	VIII.	कृष्णगीता	XIV.	निबंध झेलो
		IX.	हांगाखून जाला	XV.	प्रवासवर्णन
		X.	कृष्णायन	XVI.	नाटक

	I	II	III	IV
(1)	VI-XV	VIII-XII	IX-XVI	VII-XI
(2)	VII-XV	IX-XI	VI-XII	X-XIII
(3)	VI-XV	VII-XIV	V-XVI	X-XIII
(4)	VI-XIV	VII-XVI	V-XIII	VIII-XVI

29. साहित्याचो इतिहास ब सावन अ कसो तयार जाला हें सांगता आनी ब परस अ कसो बरो आसा हें समीक्षा सांगता अशें हांतल्या कोणे म्हटलां ?

(1) मिसेस लँगर (2) एफ्.डब्ल्यू. वेटसन

(3) मॅथ्यू अर्नोल्ड (4) इमर्सन

30. 'शबै शबै भौजनसमाज' ह्या पुंडलीक नायकाच्या नाटकांत राजकारण, राजकारणी आनी स्वाभिमानशून्य समाजाचें चित्रण जालां अशें मत्त हांतल्या कोणे उगतायलां ?

(1) तानाजी हळर्णकार (2) नंदकुमार कामत

(3) माधवी सरदेसाय (4) किरण बुडकुले

31. इ.स. 1969 ह्या वर्सा उजवाडून आयिल्ल्या चंद्रकान्त पार्सेकार हांच्या 'देंवचार आनी हेर कोंकणी एकांकिका' ह्या झेल्यांत कितल्यो एकांकी आसात ?

(1) पांच (2) सात

(3) स (4) चार

32. 'शामेळ' ह्या लोकवाद्याची कळशी मुळांत कसल्या लाकडाची करतात ?

(1) भिल्ल भाडाची (2) खैराच्या झाडासावन

(3) सायल्याच्या लाकडासावन (4) हेदुच्या खोडासावन

33. गोंयातले मोयर समाजाचे लोक 'रातीब' केन्ना मनयतात ?

(1) रमझानाच्या बेळार सांगणे करपाखातीर.

(2) उत्सवावेळार वा सांगून घेतिल्ली आंगवण पावोवपाक.

(3) ईदाच्या वेळार दैवतांक बोकडाचो बळी दिवपावेळार.

(4) उरूस हया धर्मीक उत्सवांत प्रार्थना करच्या वेळार.

34. 'सुनापरान्त' ह्या कोंकणी दिसाळ्यांत दर बुधवाराक 'ल्हारार ल्हार' हें सदर कोण सोबयतालो ?

(1) प्रकाश पर्येकार (2) रवींद्र केळेकार

(3) मुकेश थळी (4) चंद्रकान्त केणी

35. ‘सत उलय’ हें रोमी लिपयेंतलें कोंकणी सातोळें खंयचे सुवातेवेल्यान उजवाडून येतालें ?

(1) मंगळूर (2) गोंय

(3) मुंबय (4) कोचीन

36. इ.स. 1954 ह्या वर्सा सुरु जाल्ल्या ‘अ व्हां गार्द’ ह्या साताळ्याच्या कोंकणी विभागाच्या संपादकाचें नांव हांतलें खंयचें ?

(1) फेलिसियु कार्दोझ (2) फ्रेडी डिकोस्टा

(3) प्रभाकर तेंडुलकार (4) गुरुनाथ केळेकार

37. ‘गुलाब, परमळ आनी कांटे’ हें बरप कसले तरेचें जावन आसा ?

(1) प्रस्तावना (2) रोमींतली नेमाळीं

(3) कानडींतली म्हयन्याळी (4) कथांचे माथाळे

38. हांतल्या कोणाक नव्य शास्त्रवादाचे प्रतिष्ठाते म्हुण मान्यताय आसा ?

(1) हेडगर (2) क्रोचे

(3) बुआलो (4) दांते

39. रोमँटिक कवी कोलरिजच्या कवितांचेर ताच्या स्वतःच्या तत्त्वगिन्यानाचो प्रभाव खूप उणो आशिल्लो; पुण ताकाच लागून चडशे जर्मन वा निओ-प्लॅटोनिक विचार इंग्लीश कवितेंत आयले.

(1) वयल्या वाक्यांतलो पयलो वांटो बरोबर. (2) पुराय वाक्य चूक.

(3) वयल्या वाक्यांतलो दुसरो वांटो बरोबर. (4) पुराय वाक्य बरोबर.

40. कादंबरी, तिचो बरोवपी आनी तिचें उजवाडावणेचें वर्स हांची बरोबर जोडी हांतली खंयची ?

(1) हुंवार – तुकाराम शेट – इ.स. १९७८.

(2) शक्तिपात – अवधूत कुडतरकर – इ.स. २०००.

(3) पाखलो – दत्ता श्री. नायक – इ.स. १९८९.

(4) अख्यकांड – महाबळेश्वर सैल – इ.स. १९९६.

41. वि.जे.पी. सालढाणा हांच्यो सगळ्यांत बऱ्यो आनी गाजिल्ल्यो कादंबऱ्यो म्हळयार _____

(1) सामाजिक विशयावेल्यो. (2) रहस्यप्रधान कथानकाच्यो.

(3) इतिहासिक पात्रांचेर आदारलेल्यो. (4) धर्मीक विशयावेल्यो.

42. "धड्ये ताकाच लागून एका धर्मगुरुची ही 'तळमळीत काणी' सरभोंवतणचो समाज, ताचे प्रस्न आनी पाद्रीचे आध्यात्मिक वाटेर येवपी आडमेळीं, हांचेवांगडा स्वराज्याची आस्त आनी आदर्शवादी दिश्टावो एकेच सोबीत फास्केंत केळयतां"

अ. ही उत्तरां 'देवाचे कुर्पेन' ह्या कादंबरीक उद्देशून बरयल्यात.

ब. हें मत्त हरिश्चंद्र नागवेंकार हांणी 'वादळ आनी वारें' विशीं उगतायलां.

क. 'वादळ आनी वारें' हे कादंबरीचें समीक्षक किरण बुडकुलें हांणी उगतायलां.

ड. 'संवारीक कथा वाङ्मयाच्या संदर्भांत कोंकणी कादंबरी' ह्या लेखांतल्यान ही उतरां घेतल्यात.

(1) अ आनी क बरोबर. (2) ब आनी ड बरोबर.

(3) क आनी ड बरोबर. (4) ड आनी अ बरोबर.

43. 'तुलनात्मक वाङ्मयविद्या' हें शास्त्र मान्यतायेक पावतकच इंडो-युरोपियन आनी द्रविडी भाशेकुळा सांगातान विद्वानांनी हांतल्या आनीक खंयच्या भाशेचें कूळ सोदून काडलें ?

(1) येवरोपी (2) हेमिटिक

(3) जर्मन (4) इराणी-अरबी

44. १६व्या शेंकड्यातल्या कोंकणी रामायणाच्या हातबरपांत कांयच पुर्तुगेज उतरां मेळनात –

(1) कारण तेन्ना कोंकणीक मुंडारी लागीची आशिल्ली.

(2) रामायण बरोवपी लेखनिक कोंकणी भास बरी जाणा आशिल्ले.

(3) १६व्या शेंकड्यांत गोंयांत कोणाकच पोतुगीज येना आशिल्ली.

(4) रामायण बरोवपी निखटे मराठी भाशेचेच जाणकार आशिल्ले.

45. हांतली खंयची जोडी बरोबर आसा तें वळखात.

(1) कांदळां – पयली रात – देवीदास कदम.

(2) सपनफूल – व्यभिचार – मीना काकोडकार

(3) अथांग – किळांच – जयंती नायक

(4) व्हंकल पावणी – हिप्पी चली – चंद्रकान्त केणी

46. सफयल दिल्या पुस्तकांचो प्रकाशन वर्सा प्रमाण योग्य तो क्रम खंयचो ?

(1) तथागत, नागशेराचे सूर, अस्तुरी मृग, जोरगत, हिरण्यगर्भ

(2) जोरगत, अस्तुरीमृग, हिरण्यगर्भ, नागशेराचे सूर, तथागत

(3) तथागत, जोरगत, अस्तुरीमृग, हिरण्यगर्भ, नागशेराचे सूर

(4) हिरण्यगर्भ, तथागत, अस्तुरीमृग, नागशेराचे सूर, जोरगत

47. 'यक्षप्रस्न' हें पुस्तक हांतल्या कोणे अणकारुन उजवाडायलां ?

(1) महाबळेश्वर सरदेसाय (2) बाकीबाब बोरकार

(3) पांडुरंग भांगी (4) श्रीपाद रघुनाथ देसाय

48. "_____ नाटक रंगमाचयेर सोपल्यार तें प्रेक्षकांच्या मनांत सुरु जावपाक जाय" हे विचार पुंडलीक नायक हांच्या खंयच्या नाटकाक जूस्त लागू जाता अशें माधवी सरदेसाय म्हणटा ?

(1) खण खण माती (2) शबै शबै भौजनसमाज

(3) देमान्द (4) रक्तखेव

49. सकयल दिल्ल्या विद्वान अभ्यासकांमदलो भासविज्ञानिक कोण ?

(1) लेनर्ड ब्लूमफिल्ड (2) अ.का. प्रियोळकार

(3) विलियम जोन्स (4) काशिनाथ महाले

50. 'तुमीं परतो परतो फोन करुं नाकात, काम जालें म्हणटकच आमी तुमकां रजिस्टर पत्रान कळयतात.' हें वाक्य 'मान्नी पुनवे'तल्या 'नम्रतायेचें नाटक' ह्या निबंदांत कोणे कोणाक म्हटलां ?

(1) बरोवप्याक अध्यक्ष सांगता.

(2) बरोवप्याक सेक्रेटरी सांगता.

(3) उमेदवाराक ऑफीसातलो अधिकारी सांगतां.

(4) बरोवपी आपल्या इश्टाक सांगता.

Space For Rough Work